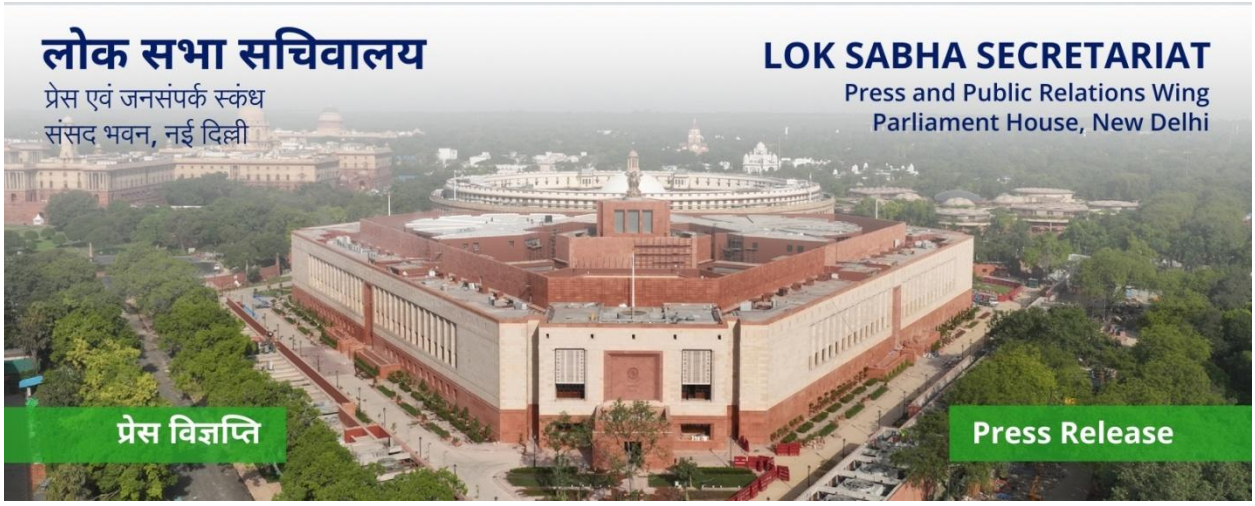

LORD SHRI RAM IS A GUIDING LIGHT OF SANATAN CULTURE: LOK SABHA SPEAKER"/भगवान श्रीराम सनातन संस्कृति के आलोक स्तंभ हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

LOK SABHA SPEAKER GREETS PEOPLE ON THE EVE OF RAM NAVAMI/लोक सभा अध्यक्ष ने राम नवमी की पूर्व संध्या पर लोगों को बधाई दी

...

05 April, 2025: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla has greeted the people on the eve of Ram Navami.

In his message Shri Birla said, " On the auspicious occasion of Ram Navami, I extend my heartfelt wishes to all of you.

Today is not just a day to celebrate, but a day to reaffirm and restore the values of propriety, righteousness, truth, and nobleness. It is the sacred day when Lord Shri Ram incarnated in Ayodhya and imparted unparalleled teachings of discipline and self-control to humanity.

Lord Shri Ram is not only a historical figure but also a guiding light of Sanatan culture. His life inspires us to walk on the unwavering path of truth, to protect righteousness, and to prioritize our duties. His character teaches us that patience, love, sacrifice, and justice can elevate life. If we incorporate Lord Ram's ideals into our lives, we can create a harmonious, strong, and peaceful society.

With the blessings of Lord Shri Ram, may happiness, peace, and prosperity fill all our lives.

Once again, wishing you all a joyous Ram Navami! Jai Shri Ram!"

05 अप्रैल, 2025: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने राम नवमी की पूर्व संध्या पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं।

श्री बिरला ने अपने संदेश में कहा, "आप सभी को रामनवमी के इस शुभ अवसर पर मेरी ओर से कोटि-कोटि शुभकामनाएँ!

आज का यह पावन दिन केवल एक उत्सव ही नहीं, बल्कि मर्यादा, धर्म, सत्य और आदर्शों की पुनर्स्थापना का पर्व है। यही वह शुभ दिन है जब अयोध्या में अवतरित होकर भगवान श्रीराम ने मानवता को मर्यादा, संयम की अनुपम शिक्षा दी।

भगवान श्रीराम केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व ही नहीं, वे सनातन संस्कृति के आलोक स्तंभ हैं। उनके जीवन से हमें सत्य की अडिग राह पर चलने, धर्म की रक्षा करने और कर्तव्य को सर्वोपरि मानने की प्रेरणा मिलती है। उनका चरित्र हमें सिखाता है कि धैर्य, प्रेम, त्याग और न्याय से जीवन को श्रेष्ठ बनाया जा सकता है। यदि हम श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें, तो एक समरस, सशक्त और शांतिपूर्ण समाज का निर्माण कर सकते हैं। भगवान श्रीराम की कृपा से हम सबके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार हो।

आप सभी को पुनः रामनवमी की मंगलमय शुभकामनाएँ ! जय श्रीराम"